अडानी ग्रुप करेगा 100 अरब डॉलर का निवेश

रिन्यूएबल और पावर सेक्टर में बड़ी विस्तार योजना: सागर अडानी

30,000 मेगावाट क्षमता की मेगा परियोजना पर काम जारी

नई दिल्ली, 29 अप्रैल वैश्विक ऊर्जा बाजार में जारी अनिश्चितताओं और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच भारत के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता सबसे बड़ी प्राथमिकता बनकर उभरी है. यह बात उद्योगपति सागर अडानी ने द इकोनॉमिस्ट इम्पैक्ट रेजिलिएंट फ्यूचर्स समिट के दौरान मीडिया से बातचीत में कही.

उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के ओपेक से बाहर होने की संभावित स्थिति और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज जैसे महत्वपूर्ण मार्गों में बाधाओं के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ सकता है, लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव क्या होगा, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा. उन्होंने यह भी कहा कि भारत और यूएई के बीच मजबूत रणनीतिक संबंध हैं, जिससे भारत के लिए स्थिति अपेक्षाकृत अनुकूल रह सकती है.

सागर अडानी ने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्य 'ऊर्जा आत्मनिर्भरता' और 'ऊर्जा सुरक्षा' को मजबूत करना है. उन्होंने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया है और इसका असर आम जनता पर सीमित रखा गया है.

उन्होंने बताया कि देश तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है और अब तक 55 गीगावाट से अधिक रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता हासिल कर चुका है. सरकारी नीतियों और निजी क्षेत्र के सहयोग से मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. उन्होंने आगे कहा कि कंपनी की वर्तमान ग्रीन एनर्जी क्षमता लगभग 20,000 मेगावाट है, जिसे 2030 तक बढ़ाकर 50 गीगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है.

> अडानी समूह की योजनाओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी देश में ऊर्जा परिवर्तन के लिए 100 अरब डॉलर के निवेश की योजना पर काम कर रही है. इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर और थर्मल पावर सेक्टर शामिल हैं. उन्होंने बताया कि गुजरात के खावड़ा में दुनिया की सबसे बड़ी सिंगल-लोकेशन रिन्यूएबल एनर्जी परियोजना विकसित की जा रही है, जिसकी क्षमता 30,000 मेगावाट होगी.

लैब-ग्रोन डायमंड सेक्टर में बड़ा निवेश

मुंबई, 29 अप्रैल ढोलकिया लैब ग्रोन डायमंड ने विभिन्न निवेशकों से 800 करोड़ रुपये की पूंजी जुटायी है. कंपनी ने बुधवार को बताया कि मुख्य निवेश अबैकस से प्राप्त हुआ है. साथ ही आईसीआईसीआई वेंचर्स आईएएफ5, अमल पारिख और अन्य प्रमुख निवेशकों ने भी डीएलजीडी में पूंजी लगायी है.

यह देश के लैब-ग्रोन डायमंड सेक्टर में विकास के चरण में सबसे बड़े निवेशों में से एक है. ढोलकिया लैब ग्रोन डायमंड में कहा गया है कि इस पूंजी का इस्तेमाल कंपनी के अगले चरण के विकास के लिए किया जायेगा. इसमें लैब-ग्रोन डायमंड के उत्पादन का विस्तार, कार्यशील पूंजी को मजबूत करना और पूरे देश में भौतिक खुदरा नेटवर्क का विस्तार शामिल है.

ओपेक से बाहर हुआ यूएई

तेल सप्लाई बढ़ने से भारत को मिल सकती राहत

पाकिस्तान की रणनीतिक स्थिति पर भी असर संभव

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल संयुक्त अरब अमीरात ने लगभग 60 साल बाद ऑर्गेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (ओपेक) से बाहर होने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है. इस फैसले को वैश्विक ऊर्जा बाजार में एक बड़े भू-राजनीतिक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिसका असर न केवल तेल की कीमतों पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर भी पड़ सकता है.

सूत्रों के अनुसार, यूएई और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से तेल उत्पादन नीति को लेकर मतभेद चल रहे थे. यूएई वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और उत्पादन क्षमता में अधिक स्वतंत्रता चाहता था, जबकि सऊदी अरब उत्पादन नियंत्रण और कीमतों को स्थिर रखने की नीति पर जोर दे रहा था. इसी असहमति ने अंततः यूएई को ओपेक से अलग होने के फैसले तक पहुंचाया. इस घटनाक्रम का असर पाकिस्तान पर भी पड़ने की संभावना जताई जा रही है, क्योंकि वह मध्य पूर्वी देशों के साथ अपने ऊर्जा और कूटनीतिक संबंधों पर काफी निर्भर है. विशेषज्ञों का कहना है कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के रिश्तों में भी इस बदलाव से अप्रत्यक्ष दबाव आ सकता है. दूसरी ओर, भारत के लिए यह स्थिति संभावित रूप से लाभकारी हो सकती है. यूएई के उत्पादन बढ़ाने और बाजार में अधिक आपूर्ति लाने से अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों पर दबाव कम हो सकता है.

वाराणसी से शुरू होगा हब एंड स्पोक मॉडल

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल वाराणसी से विदेश जाने वाले यात्रियों को अब पहले दिल्ली या मुंबई जैसे बड़े हवाई अड्डे पर जाकर इमीग्रेशन की औपचारिकताएं पूरी करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि 'हब एंड स्पोक' मॉडल के तहत वे वाराणसी एयरपोर्ट पर ही ये औपचारिकताएं पूरी कर सकेंगे और दिल्ली हवाई अड्डा सिर्फ ट्रांजिट का काम करेगा.

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने हाल ही में विमान सेवा कंपनियों, हवाई अड्डा संचालकों और अन्य हितधारकों के साथ एक बैठक में इस मॉडल को प्रोत्साहित करने के लिए कहा था. इस मॉडल का पहला प्रयोग वाराणसी एयरपोर्ट पर होगा और इसकी जिम्मेदारी एयर इंडिया को दी गयी है. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी ने बताया कि वह 'हब एंड स्पोक' मॉडल के तहत वाराणसी हवाई अड्डे से उड़ान शुरू करने की तैयारी कर रही है.एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन ने कहा, यह भारतीय विमानन के लिए एक परिवर्तनकारी कदम है. 'हब एंड स्पोक' मॉडल न केवल कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, देशभर में विकसित हवाईअड्डा अवसंरचना का सर्वोत्तम उपयोग भी सुनिश्चित करेगा.

वीआईटी-एपी में शुरू हुई वीआईटीईईई 2026 परीक्षा

देश भर के 129 शहरों और 9 अंतरराष्ट्रीय केंद्रों में परीक्षा जारी

चेन्नई, 29 अप्रैल. यह भारत की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं में से एक है. कंप्यूटर आधारित यह परीक्षा वेल्लोर, चेन्नई, अमरावती और भोपाल के वीआईटी परिसरों में बी.टेक कार्यक्रमों में प्रवेश का माध्यम है.

इस अवसर पर वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. अरुलमोझिवर्मन ने कहा कि परीक्षा 3 मई, 2026 तक देश भर के केंद्रों में आयोजित की जाएगी. उन्होंने बताया कि भारत के 129 शहरों के 212 केंद्रों के साथ-साथ 9 अंतर्राष्ट्रीय स्थानों—सिंगापुर, कतर, मस्कट, दुबई, कुवैत, अल मनामा, अबू धाबी, मलेशिया और शारजाह के छात्र भी इस वर्ष परीक्षा में शामिल हो रहे हैं. परिणाम मई 2026 के दूसरे सप्ताह में घोषित होने की उम्मीद है और उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर अपडेट देख सकते हैं.

रजिस्ट्रार डॉ. जगदीश चंद्रा ने सूचित किया कि वीआईटीईईई के साथ अन्य प्रवेश परीक्षाएं भी निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित की जा रही हैं:

- वीआईटीईईई 2026: 28 अप्रैल से 3 मई 2026
- रिसर्च / एम.टेक / लॉ / एमबीए: 28 अप्रैल और 3 मई 2026

प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुए, उप निदेशक (प्रवेश) डॉ. जॉन प्रदीप ने बताया कि 1.5 लाख तक रैंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार वीआईटी-एपी की ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र होंगे, जो मई-जून 2026 के दौरान आयोजित की जाएगी.

> उन्होंने कहा कि वीआईटीईईई हर साल बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को आकर्षित करता है, जो इसकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और भविष्य के इंजीनियरों को तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. उम्मीदवारों के लिए सुगम अनुभव सुनिश्चित करने के लिए, वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय ने विजयवाड़ा और गुंटूर सहित नजदीकी शहरों से विशेष परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था की है.

गुजरात में वंदे भारत से यात्रियों ने किया सफर

महिलाओं की रही पहली पसंद

अहमदाबाद, 29 अप्रैल. भारतीय रेलवे की प्रीमियम सेमी-हाईस्पीड सेवा वंदे भारत एक्सप्रेस ने देश में आधुनिक रेल यात्रा की नई पहचान स्थापित की है.

722 करोड़ से अधिक का राजस्व किया अर्जित

फरवरी 2019 में एक सेवा से शुरू होकर आज यह नेटवर्क देशभर में 162 से अधिक ट्रेनों तक विस्तारित हो चुका है, जो प्रमुख शहरों को तेज, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा से जोड़ रहा है. गुजरात से संचालित वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों ने यात्रियों के बीच विशेष लोकप्रियता हासिल की है. 1 अक्टूबर 2022 से 31 मार्च 2026 तक की अवधि में राज्य से संचालित 6 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनों में लगभग 73 लाख यात्रियों ने यात्रा की, जबकि इनसे कुल ?722 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है. अहमदाबाद-मुंबई मार्ग पर दोनों वंदे भारत सेवा यात्रियों की पहली पसंद बन चुकी है. पेशेवर, व्यवसायिक तथा नियमित यात्री इस सेवा का व्यापक रूप से उपयोग कर रहे हैं.

गुजरात से 6 संचालित वंदे भारत ट्रेनों का विवरण

- मुंबई सेंट्रल - गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 01 अक्टूबर 2022
- साबरमती - जोधपुर वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 09 जुलाई 2023
- अहमदाबाद - ओखा वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 25 सितंबर 2023
- मुंबई सेंट्रल - अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 13 मार्च 2024
- साबरमती - वेरावल वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 27 मई 2025
- असारवा - उदयपुर वंदे भारत एक्सप्रेस : सेवा प्रारंभ 18 फरवरी 2026

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी

सेंसेक्स 77,496 और निफ्टी 24,178 पर बंद

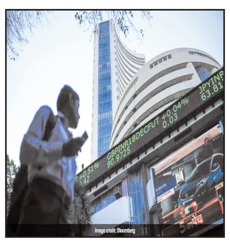

मुंबई, 29 अप्रैल भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को निवेशकों की मजबूत खरीदारी के चलते लगातार दूसरे दिन तेजी दर्ज की गई. दिन के कारोबार के अंत में सेंसेक्स 609 अंक की बढ़त के साथ 77,496 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 182 अंक की तेजी के साथ 24,178 के स्तर पर पहुंच गया.

बाजार में इस तेजी का नेतृत्व ऑटो, आईटी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों ने किया. निवेशकों की मजबूत खरीदारी से पूरे बाजार में सकारात्मक माहौल बना रहा. टॉप गेनर्स में आईटीसी, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े शेयर शामिल रहे, जिन्होंने बाजार को मजबूती दी.

> हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,104 करोड़ रुपये की बिकवाली की, लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों की मजबूत खरीदारी ने इस दबाव को संतुलित कर दिया. विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों का भरोसा बाजार की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. वैश्विक स्तर पर भी संकेत मिश्रित रहे. एशियाई बाजारों में कोरिया और हॉन्गकॉन्ग में तेजी देखने को मिली, जबकि जापान का बाजार गिरावट में रहा. वहीं अमेरिकी बाजारों में भी हल्की गिरावट दर्ज की गई.

देश में पहली बार निवेश मांग आभूषण से आगे

52 प्रतिशत बढ़ी सोने में निवेश मांग | **19.5** प्रतिशत की आभूषण मांग में गिरावट

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल इस साल 31 मार्च को समाप्त तिमाही में देश के सर्राफा बाजार में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला और पहली बार सोने की निवेश मांग ने आभूषण बनाने के लिए सोने की खरीद को पीछे छोड़ दिया है.

विश्व स्वर्ण परिषद के अनुसार, इस साल की पहली तिमाही में सिक्कों, बिस्कुट और एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में मजबूत रुचि के कारण निवेश के लिए पीली धातु की खरीद में तेज बढ़ोतरी हुई. दूसरी तरफ, आभूषण मांग में गिरावट देखी गयी. सोने की ऊंची कीमतों के कारण सर्राफा की मांग प्रभावित हुई.

रिपोर्ट के अनुसार, इस तिमाही में निवेश मांग साल-दर-साल 52 प्रतिशत बढ़कर 82 टन हो गयी, जबकि आभूषण खपत 19.5 प्रतिशत घटकर 66 टन रह गयी. कुल मिलाकर देश में सोने की मांग 10.2 फीसदी बढ़ी और 151 टन पर पहुंच गयी. डब्ल्यूजीसी का मानना है कि आने वाली तिमाहियों में यह रुझान और तेज होने की संभावना है, क्योंकि खुदरा और वित्तीय निवेशक दोनों ही इस कीमती धातु में निवेश बढ़ा रहे हैं.मार्च तिमाही में कुल सोना खपत में निवेश की हिस्सेदारी 54.3 प्रतिशत रही, जो लीक से काफी हटकर है, जहां यह आमतौर पर कुल मांग का लगभग एक-चौथाई होती थी.

समाचार विशेष

योगी की लोकप्रियता बरकरार

चुनाव से पहले 33 मंत्रियों के लिए खतरे की घंटी, कट सकता है टिकट!

लखनऊ. उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले सरकार के मंत्रियों के कार्यकाल को लेकर प्रदेश भर में कराए गए सर्वे में चौंकाने वाली बात सामने आई है. सर्वे के अनुसार, प्रदेश की जनता योगी सरकार में मंत्री पद पर आसीन 40 में से 33 मंत्रियों को दोबारा विधायक के रूप में नहीं देखना चाहती है.

इस सर्वे के मुताबिक मंत्रीमंडल में शामिल 3 मंत्री ही ऐसे हैं, जिनके लिए जनता ने चुनाव के लिए हां का जवाब दिया है. जबकि 3 अन्य मंत्रियों पर स्पष्ट राय नहीं दे सके. बता दें कि प्रदेश की योगी कैबिनेट में कुल 54 मंत्री शामिल हैं. इनमें से 14 एमएलसी हैं. बाकी 40 विधायक मंत्रियों में से 12 कैबिनेट मंत्री, 8 स्वतंत्र प्रभार तथा 13 राज्य मंत्री हैं.

सर्वे में एक तरफ जहां प्रदेश के मंत्रियों के खिलाफ लोगों ने नाराजगी जाहिर की है, वहीं दूसरी तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश में निर्विवाद रूप से सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में बने हुए हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विधानसभा सीट गोरखपुर शहर में कराए गए सर्वे में करीब 89त्न लोग मुख्यमंत्री को दोबारा विधायक बनाने के समर्थन में दिखे. इसी प्रकार पार्टी के स्तर पर भी गोरखपुर की जनता ने बीजेपी को ही पहली पार्टी रूप मं समर्थन किया है. प्रदेश के डिप्टी सीएम की सीट पर सर्वे के नतीजे काफी चौंकाने वाले रहे. उप-मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक सहित 9 मंत्रियों की सीटों पर जनता की पहली पसंद सपा रही. यहां के लोगों ने भाजपा को नकार दिया. अनिल राजभर (शिवपुर), ओम प्रकाश राजभर (जहूराबाद), और जयवीर सिंह (मैनपुरी) जैसे बड़े नाम इस लिस्ट में शामिल हैं.

> **भाजपा आधार अभी भी मजबूत**
>
> सर्वे में लोगों ने मंत्रियों को नकार दिया, लेकिन पार्टी के तौर पर बीजेपी का आधार प्रदेश में अभी भी मजबूत बना हुआ है. सर्वे में 29 मंत्रियों की सीटों पर भाजपा अभी भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. इसमें 6 कैबिनेट मंत्री सहित 7 स्वतंत्र प्रभार मंत्रियों की भी सीटें शामिल हैं. सर्वे के मुताबिक प्रदेश की जनता का स्पष्ट मत है कि वे पार्टी के साथ तो मजबूती से खड़े हैं, लेकिन मंत्रियों के साथ नहीं, क्योंकि इन मंत्रियों ने उनके क्षेत्र में विकास कार्य नहीं किया, इसलिए वो इन्हें बदलना चाहते हैं.

राजनाथ सिंह आज इटली के रक्षा मंत्री के साथ वार्ता करेंगे

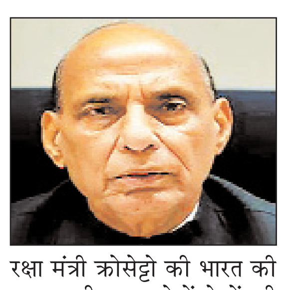

नई दिल्ली 29 अप्रैल. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को यहां इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेट्टो के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे. रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जायेगी.

दोनों देश बदलते सुरक्षा परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी अपने विचार साझा करने की अपेक्षा रखते हैं.अक्टूबर 2023 में रक्षा मंत्री की रोम यात्रा के बाद भारत और इटली के बीच रक्षा सहयोग को और गति मिली है. रक्षा मंत्री क्रोसेट्टो की भारत की यह पहली यात्रा दोनों देशों की मौजूदा सहयोग को और विस्तारित करने तथा विशेष रूप से औद्योगिक साझेदारी के क्षेत्र में नए सहयोग के क्षेत्रों का पता लगाने की इच्छा को रेखांकित करती है.

जो चीज गलत है उसे बताना जरूरी

मुलायम की बहु ने पहले जलाया सपा का झंडा और अब दिखाया पूरी पार्टी को आइना

लखनऊ. उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भारतीय जनता पार्टी की नेता अपर्णा यादव का बयान सामने आया है. उन्होंने समाजवादी पार्टी का झंडा जलाने को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है.

मीडिया के सवाल पूछने पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि नारी शक्ति अधिनियम पास नहीं हुआ है जिसके चलते महिलाओं में काफी ज्यादा आक्रोश है. हमने भी अपने आक्रोश को प्रकट किया है. वह किसी व्यक्ति विशेष के प्रति आक्रोश नहीं था. अपर्णा यादव ने अपने बयान में यह भी कहा कि हम बिलकुल परिवार के हैं और वह चीज कोई बदल नहीं सकता है लेकिन जो चीज गलत है उसे बताना भी जरूरी है वरना चीजें सही नहीं होगी.

लखनऊ में भाजपा नेता और यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने शुक्रवार देर रात विधानसभा के सामने समर्थकों के साथ विरोध प्रदर्शन किया. इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के खिलाफ नारेबाजी की और दोनों दलों के झंडे जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया. इस दौरान अपर्णा यादव ने कहा था कि विपक्ष महिला आरक्षण के मुद्दे पर सिर्फ दिखावा कर रहा है. अपर्णा यादव ने आरोप लगाया कि विपक्षी दल नहीं चाहते कि आम परिवारों की महिलाएं आगे बढ़कर संसद तक पहुंचें. उनके अनुसार यह पार्टियां परिवारवाद को ही बढ़ावा देती हैं और 'नारी शक्ति' उन्हें माफ नहीं करेगी. उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि महिला आरक्षण कानून के लिए उन्होंने गंभीर प्रयास किए, लेकिन लोकसभा में जो हुआ वह कलंकित करने वाला है.

मुलायम यादव के परिवार से हैं अपर्णा

बता दें कि अपर्णा यादव उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे प्रतीक यादव की पत्नी हैं. अपर्णा और प्रतीक ने साल 2011 में शादी की थी और उनकी एक बेटी भी है. अपर्णा यादव ने 19 जनवरी 2022 को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी.

विशेष 7 सांसदों के बाद अब राज्य के प्रदेश उपाध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी

गुजरात में भी खत्म हो जाएगी आप!

अहमदाबाद. आम आदमी पार्टी को एक के बाद एक बड़े झटके लग रहे हैं. हाल ही में राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ा है और इस बीच गुजरात से एक बड़ी खबर आ रही है. दरअसल, आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और किसान नेता सागर रबारी ने पार्टी को अलविदा कहने का मन बना लिया है.

उन्होंने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया है. रबारी ने यह ऐलान अपने फेसबुक पोस्ट के जरिए किया है. गौरतलब है कि पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों ने कुछ ही दिनो पहले आम आदमी पार्टी छोड़ते हुए भारतीय जनता पार्टी में विलय का ऐलान किया था. जिसे राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने स्वीकार कर लिया है. इनमें राघव चड्ढा, स्वाति मालीवाल, विक्रम साहनी, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक और राजिंदर गुप्ता के नाम शामिल हैं.

सागर रबारी ने फेसबुक पर किया पोस्ट-गुजरात के प्रमुख आप नेता सागर रबारी ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि आज मैं आम आदमी पार्टी के साथ अपनी यात्रा समाप्त कर रहा हूं. मैं पार्टी की सदस्यता, पद और सभी जिम्मेदारियों से खुद को अलग कर रहा हूं. सहयोग के लिए सभी साथियों का दिल से धन्यवाद. निजी रिश्ते और दोस्ती आगे भी बरकरार रहेंगे.

> **2021 में आए थे आम आदमी पार्टी के साथ**
>
> जानकारी के अनुसार सागर रबारी गुजरात में किसान एकता मंच के संस्थापक ट्रस्टी हैं. वह 9 अगस्त 2021 को आम आदमी पार्टी से जुड़े थे. उस समय उन्होंने अहमदाबाद स्थित पार्टी मुख्यालय में इसुदान गढ़वी और किशोर देसाई सहित वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की थी. आम आदमी पार्टी ने उन्हें प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया था. 2022 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी. बता दें कि सागर रबारी का आम आदमी पार्टी पार्टी छोड़ना अरविंद केजरीवाल के लिए झटका माना जा रहा है, खासकर तब जब गुजरात में अगले साल के अंत में चुनाव होने हैं और वहां पार्टी विस्तार के प्रयास लगातार जारी हैं.